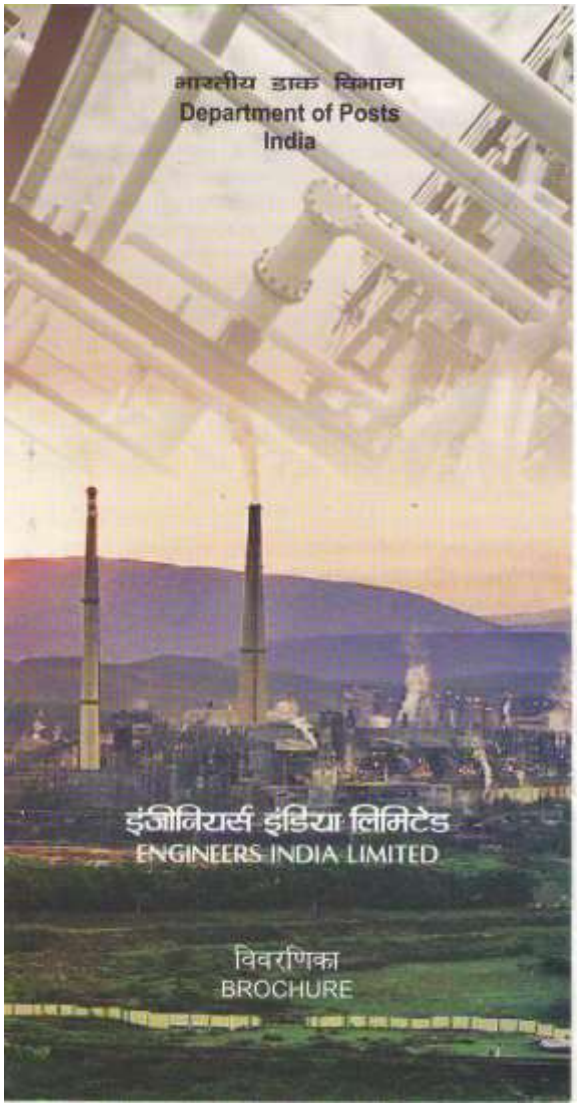

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of Issue	: :	27 मार्च, 2015 27 March, 2015
मूल्यवर्ग Denomination	: :	500 पैसा 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें Stamps Printed	: :	6.50 लाख 0.65 Million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक–टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ईआईएल) का गठन कंपनी अधिनियम के अंतर्गत 'इंजीनियर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के नाम से 15 मार्च, 1965 को नई दिल्ली में एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में किया गया था। यह गठन, भारत सरकार और बेक्टेल इंटरनेशनल कॉरपोरेशन (बीआईसी) के बीच दिनांक 20 नवंबर, 1964 को हुए करार और 27 जून, 1964 के सहमति ज्ञापन के अनुसार हुआ। मई, 1967 में, ईआईएल भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाला उपक्रम बन गया। 1996 में, भारत सरकार ने ईआईएल में अपनी लगभग 6 प्रतिशत शेयरधारिता का विनिवेश कर दिया और इस प्रकार, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अस्तित्व में आया।

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, अभिकल्पना (डिजाइन) और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में दक्षिण एशिया के अग्रणी संगठनों की श्रेणी में शामिल है। यह कंपनी अभियांत्रिकी परामर्श और अभियांत्रिकी प्राप्ति व निर्माण (ईपीसी) की सेवाएं प्रदान कर रही है और इसने प्रमुख रूप से तेल एवं गैस तथा पेट्रोकेमिकल उद्योगों पर ध्यान केंद्रित रखा है। साथ ही अपनी प्रबल तकनीकी क्षमताओं एवं कार्यनिष्पादन में अपने शानदार रिकार्ड का लाभ लेने के उद्देश्य से ईआईएल ने इंफ्रास्ट्रक्चर, जल व अपशिष्ट प्रबंधन, सौर एवं परमाणु ऊर्जा तथा उर्वरक जैसे विविध क्षेत्रों में भी कदम बढ़ाए हैं।

ईआईएल की दो आनुषंगिक कंपनियां हैं, सर्टिफिकेशन इंजीनियर्स इंटरनेशनल लिमिटेड (सीईआईएल) और ईआईएल एशिया पेसिफिक एसडीएन बीएचडी (ईआईएलएपी) मलेशिया। सीईआईएल प्रमाणन, पुनर्प्रमाणन तथा तृतीय पक्षकार की निरीक्षण सेवाएं प्रदान कर रही है, जबकि ईआईएलएपी मुख्यतः तेल एवं गैस तथा उद्योग जगत के अन्य क्षेत्रों की परियोजनाओं में तकनीकी सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में कार्यरत है। ईआईएल का गुड़गांव, हरियाणा में एक अत्याधुनिक अनुसंधान व विकास केंद्र भी है।

ईआईएल ने दो महत्वपूर्ण संयुक्त उपक्रम भी स्थापित किए हैः–

(i) तेल व गैस, उर्वरक, स्टील, रेलवे, विद्युत, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि क्षेत्रों में परियोजनाएं प्रारंभ करने के लिए टाटा प्रोजेक्टस लिमिटेड के साथ मिलकर टीईआईएल प्रोजेक्टस लिमिटेड, और

(ii) सऊदी अरब में हाइड्रोकार्बन व इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में व्यवसाय की संभवनाओं की दिशा में कार्य करने के उद्देश्य से जबल धेहरान (सऊदी अरब) तथा आईओटीएल के साथ मिलकर जबल ईआईएलआईओटी कंपनी लिमिटेड।

ईआईएल का इतिहास शानदार रहा है। इसने 5000 से अधिक कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए हैं। इसमें 400 प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं, जिनका आकलित मूल्य 200 बिलियन डालर से अधिक है।

ईआईएल द्वारा पूरी की गई अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं में तेल व प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के एसएचजी प्लेटफार्म के लिए एकल जैकेट पर विश्व में सबसे लंबे डेक का निर्माण, भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (गेल) की जामनगर–लोनी पाइपलाइन का निर्माण और हाल ही में संपन्न किए गए एचएमईएल के 9 एमएमटीपीए गुरू गोबिंद सिंह तेलशोधन कारखाने का निर्माण कार्य शामिल है, जिसने परियोजना पूर्ण करने के परिप्रेक्ष्य में इस उद्योग में कई मानक (बेंचमार्क) भी स्थापित किए हैं।

ईआईएल ने 30 से अधिक प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। इसके कार्यक्षेत्र में पेट्रोलियम शोधन, तेल व गैस प्रोसेसिंग तथा एरोमैटिक्स की विभिन्न प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। वर्तमान में, ईआईएल के नाम विभिन्न प्रक्रिया प्रोद्योगिकियों से संबधित 14 पेटेंट हैं।

ईआईएल ने अपने ट्रैक रिकार्ड का लाभ उठाते हुए अपने प्रचालनों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफलतापूर्वक विस्तार किया है और मध्य पूर्व, अफ्रीका और दक्षिणपूर्वी एशिया के विभिन्न देशों में अनेक कार्य संपन्न कर साख अर्जित की हैं। इन क्षेत्रों की अधिकतर प्रमुख तेल व गैस कंपनियों ने अपनी परियोजनाओं के लिए ईआईएल की सेवाएं प्राप्त की हैं।

ईआईएल के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक व आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सहायता करने के साथ–साथ अपने कर्मचारियों, ग्राहकों, स्थानीय समुदायों तथा अन्य भागीदारों में यह समझ विकसित करना है कि ईआईएल किस प्रकार अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का दायित्व निभाने वाला व्यावसायिक संगठन है। ईआईएल की सीएसआर परियोजनाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, पेयजल और सौर ऊर्जा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण से जुड़े विभिन्न कार्यकलाप शामिल है।

देश के आधारभूत ऊर्जा क्षेत्र को आकार देने की दिशा में इसकी शानदार भूमिका के महत्व को रेखांकित करते हुए, भारत सरकार ने ईआईएल को "नवरत्न" का दर्जा प्रदान किया है।

डाक विभाग इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :–

मूलपाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित।

डाक–टिकट / प्रथम दिवस : ब्रह्म प्रकाश

विरूपण : अलका शर्मा

ENGINEERS INDIA LIMITED

Engineers India Limited (EIL) was incorporated as a private limited company under the name 'Engineers India Private Limited' in New Delhi on March 15, 1965 under the Companies Act in accordance with a formation agreement dated November 20, 1964 and a memorandum of agreement dated June 27, 1964 between the Government of India (GoI) and Bechtel International Corporation (BIC). In May 1967, EIL became a wholly-owned GoI enterprise. In 1996, the Government of India disinvested approximately 6.0% of its shareholding in EIL and EIL became a public listed company.

Engineers India Ltd (EIL) is one of the leading design and engineering organizations in South Asia and has been providing engineering consultancy and engineering procurement and construction (EPC) services principally focused on the oil & gas and petrochemical industries. The Company has also diversified into sectors like infrastructure, water and waste management, solar & nuclear power and fertilizers to leverage its strong technical competencies and track record.

EIL has two Subsidiaries - Certification Engineers International Limited (CEIL), providing services in the field of certification, re-certification, third party inspection services, and EIL Asia Pacific Sdn. Bhd. (EILAP), Malaysia, primarily engaged in the business of providing technical services for projects in oil and gas and other industrial sectors. EIL has a sophisticated research and development center at Gurgaon, Haryana.

The EIL has also established two strategic Joint Ventures;

i) TEIL Projects Limited with Tata Projects Limited for pursuing projects in oil & gas, fertilizers, steel, railways, power, infrastructure etc., and,

ii) Jabal EILIOT Co Ltd, with Jabal Dhahran of Saudi Arabia and IOTL to pursue business opportunities in hydrocarbon and infrastructure sector in Kingdom of Saudi Arabia.

EIL has an impressive record of executing over 5000 assignments including of 400 major projects valued over $200 Billion.

Among the milestone projects executed by EIL are the world's longest deck on single jacket for SHG Platform of ONGC, Jamnagar-Loni Pipeline of GAIL, and the recently completed 9 MMTPA Guru Gobind Singh Refinery of HMEL, which has also set various industry benchmarks in terms of project execution.

EIL has developed more than 30 process technologies and its portfolio includes various technologies for petroleum refining, oil and gas processing and aromatics. EIL currently holds 14 patents relating to various process technologies.

EIL has leveraged its strong track record to successfully expand its operations internationally and has earned recognition for jobs executed in several countries of Middle East, Africa and South East Asia. Most of the major oil & gas companies in these regions have utilized EIL's services for their projects.

EIL's Corporate Social Responsibility (CSR) Program aims to assist socially and economically weaker segments of society, as well as define EIL as a socially-responsible business to employees, clients, local communities and other stakeholders. The CSR projects of the Company target various activities in education, healthcare, drinking water and electrification of rural areas through solar power.

In recognition of its stellar role in shaping the energy blueprint of the country, EIL has been conferred the prestigious "Navratna" status by the Government of India.

Department of Posts is happy to issue a commemorative postage stamp to celebrate the Golden Jubilee of Engineers India Limited.

Credits:-

Text	:	Based on the material provided by proponent.
Stamp/FDC	:	Braham Prakash
Cancellation	:	Alka Sharma